दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु
प्यार है जिस में साईं का मैं ऐसा पैमाना हु
दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

साईं जो तूने लिखा मैं ऐसा अप्साना हु
जिस में सभी मस्त है मैं ऐसा मेंखाना हु
प्यार है जिस में साईं का मैं ऐसा पैमाना हु
दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

यही मेरा कर्म है साईं मेरा धर्म है
साईं है जीवन मेरा मैं साईं का जाना हु
प्यार है जिस में साईं का मैं ऐसा पैमाना हु
दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

अपना मगन कर दियां तुमने रटन कर दियां
कैसे करू शुकरीयाँ बाबा ने इतना दियां
जिस पे छुपा दर्द है मैं दर्द का खाना हु
प्यार है जिस में साईं का मैं ऐसा पैमाना हु
दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

दुखियां जो शिर्डी चले साईं लगाते गले
मुझको न पागल कहो साईं का मस्ताना हु
प्यार है जिस में साईं का मैं ऐसा पैमाना हु
दुनिया से बेगाना हु साईं का दीवाना हु

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17160/title/duniya-se-begaana-hu-sai-ka-deewana-hu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |